ट्रांसफर के बाद स्टे लेकर पुरानी कुर्सी पर जमे इंजीनियर्स पर जल्द ही सख्त कार्रवाई करेगा जलदाय विभाग

मंत्री कन्हैयालाल चौधरी की नाराजगी के बाद विभाग ने जारी किया चेतावनी परिपत्र

- कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जलदाय विभाग के इंजीनियर्स को इन दिनों जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) और राजस्थान हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय कुछ ज्यादा ही रास आ रहा है। अफसरों का अपनी पुरानी कुर्सी से मोह कुछ ऐसा है कि जनवरी माह में ट्रांसफर होने के 4 माह बाद भी वे रिलीव नहीं होना चाह रहे। इसके लिए राजस्थान सिविल सेवा प्राधिकरण और अन्य अदालतों में स्टे लेने के लिए याचिकाएं लगाई जा रही हैं।

परंतु जलदाय विभाग ने इन इंजीनियर्स की मनमानी और हठधर्मिता को गंभीरता से लिया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के संयुक्त शासन सचिव प्रथम प्रवीण कुमार लेखरा ने बाकायदा परिपत्र जारी करते हुए इन इंजीनियर्स को चेतावनी दी है। यह सख्ती मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत की नाराजगी के बाद बरती गई है।

परिपत्र में कहा गया है कि "प्राय: देखा गया है कि विभाग में राजसेवकों द्वारा स्थानांतरण निलंबन अथवा पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा में लगाए जाने संबंधी जारी आदेशों पर न्यायालय अथवा अधिकरण से स्थगन आदेश प्राप्त कर सीधे ही पूर्व पद स्थापित स्थान पर कार्य ग्रहण कर लिया जाता है, जबकि कई बार उनके पूर्व पद स्थापित स्थान पर किसी अन्य राज्यसेवक का प्रतिस्थापन किया जा चुका होता है। इस स्थिति के कारण एक ही जगह पर दो राज्य सेवकों के उपस्थित होने के कारण संबंधित पद के दायित्व निर्वहन और वेतन आहरण के संबंध में निर्णय के प्रस्ताव नियंत्रण अधिकारियों से प्राप्त होते रहते हैं। इस संबंध में ही है स्पष्ट किया जाता है कि, न्यायालय/ अधिकरण द्वारा अपने आदेश में याची को चुनौती आदेश जारी करने से पूर्व के पद स्थापित स्थान पर कार्य ग्रहण करने के निर्देश जारी नहीं किए जाते हैं, बल्कि उसकी पूर्व पद स्थापित स्थान पर कार्यरत रखे जाने के निर्देश विभाग को प्रदान किए जाते हैं। ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता द्वारा सीधे ही बिना सक्षम स्तर से अनुमति के पूर्व पद स्थापित स्थान पर कार्य ग्रहण करना उचित नहीं है। इसलिए सभी नियंत्रण अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि भविष्य में जब भी किसी राज्यसेवक द्वारा स्थानांतरण, पदस्थापन, निलंबन अथवा पदस्थापन आदेशों पर स्टेशन प्राप्त किया जाए तो उसकी उपस्थिति मुख्य अभियंता और अतिरिक्त मुख्य सचिव के प्रस्तुत की जावे। इन आदेशों की पालना नहीं करने वाले अधिकारी पर विभाग सख्त कार्रवाई करेगा।"

- **अब स्थानांतरण, पदस्थापन, निलंबन अथवा पदस्थापन आदेशों पर न्यायालय अथवा अधिकरण से स्टे लेने वाले अफसरों को मुख्य अभियंता और अतिरिक्त मुख्य सचिव के समक्ष उपस्थिति देनी होगी**
- **गौरतलब है कि जनवरी माह में हुए तबादला आदेश के बावजूद जेडीए और हाऊसिंग बोर्ड में कई अभियंता कुर्सी नहीं छोड़ रहे हैं, इन्होंने अपने ही मूल विभाग को कोर्ट में चुनौती तक दे डाली।**
- **जयपुर विकास प्राधिकरण में एक्स.ई.एन. दिनेश कूकना और राजस्थान आवासन मंडल में रामनिवास सिंघल व लखन सिंह मीणा समेत कई इंजीनियर्स की मनमानी को लेकर जलदाय विभाग ने यह सख्त रुख अपनाया है।**

गौरतलब है कि जनवरी माह में हुए तबादला आदेश के बावजूद जयपुर विकास प्राधिकरण और हाऊसिंग बोर्ड में कई अभियंता कुर्सी नहीं छोड़ रहे हैं, इन्होंने अपने ही मूल विभाग को कोर्ट में चुनौती तक दे डाली।

जयपुर विकास प्राधिकरण में एक्स.ई.एन. दिनेश कूकना और राजस्थान आवासन मंडल में रामनिवास सिंघल व लखन सिंह मीणा समेत कई इंजीनियर्स की मनमानी को लेकर जलदाय विभाग ने यह सख्त रुख अपनाया है। दोनों जगह पर जेडीए और आवासन मंडल के अफसर भी इन्हें रिलीव करने से बच रहे हैं। जेडीए में एक्सईएन दिनेश कूकना ट्रिब्यूनल से स्टे नहीं मिलने के बाद भी अपनी प्रतिनियुक्ति की कुर्सी नहीं छोड़ रहे है। जबकि कूकना का तबादला 15 जनवरी को जयपुर विकास प्राधिकरण से अधिशासी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता शहरी एवं एनआरडब्लू जयपुर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में किया गया था। परंतु जलदाय विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आए दो एक्सईएन को वे चार्ज सौंपने को किसी तरह तैयार नहीं हुए।

जेडीए की अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन डा. प्रिया बलराम शर्मा भी बार बार नगरीय विकास विभाग और मंत्री स्तर से मार्गदर्शन मांग रही है पर उन्हें काम नहीं सौंप रही।

इसी तरह हाउसिंग बोर्ड में अधिशाषी अभियंता रामनिवास सिंघल और लखन सिंह मीणा और गीताराम मीणा भी आवासन मंडल से रिलीव नहीं होना चाह रहे।

खड़े वाहनों के कांच तोड़ने वाला आरोपी गिरफ्तार

मानसरोवर थाना पुलिस ने खडे वाहनों के कांच तोड़ने वाले एक आरोपी को पकड़ा है।

जयपुर। मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खडे वाहनों के कांच तोड़ने वाले एक आरोपी को पकडा है। पुलिस पूछताछ में आरोपी से सात वाहनों के कांच तोडना स्वीकार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खडे वाहनों के कांच तोड़ने वाले आरोपित हंष भाटी निवासी जैसलमेर हाल मानसरोवर जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसने सात गाड़ियों के कांच तोडना स्वीकार किया है।

जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही बाल विवाह की कड़ी तोड़ना संभव : रांका

जयपुर। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष कुलदीप रांका ने कहा कि बाल विवाह केवल सामाजिक कुरीति ही नहीं बल्कि मानवता के लिए भी गंभीर समस्या है। जब तक समाज में महिलाओं के लिए समानता और समता का अधिकार नहीं मिलेगा तब तक राष्ट्र सही मायनों में विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी से बाल विवाह की कड़ी को तोड़ना संभव है।

राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष कुलदीप रांका ने गुरुवार को बाल अधिकार एवं संरक्षण विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित किया।

रांका गुरुवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान के सभागार में राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग एवं बाल अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित बाल अधिकार एवं संरक्षण विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाल विवाह संपूर्ण विश्व के लिए कितनी बड़ी समस्या है इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पूरी दुनिया के 45 फीसद बाल विवाह साउथ एशिया में होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2030 तक पूरे विश्व को बाल विवाह से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है।

बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि हालांकि प्रदेश में पिछले एक दशक में बाल विवाह के मामलों में जबरदस्त गिरावट देखी गई है। जहां प्रदेश पहले पायदान पर आता था, वहीं अब छठे स्थान पर आता है लेकिन यह संतोष की बात नहीं है। आमजन से लेकर लोकसेवक सभी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए बाल विवाह की कड़ी को तोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में आने वाली अक्षय तृतीया और पीपल पूर्णिमा पर राज्य में बाल विवाह की परंपरा रही है। खासतौर पर गांवों में प्रभावशाली लोगों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के सहयोग से लोगों से संवाद करके उन्हें जागरूक करें। सोशल मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, आपसी संवाद हर वह तरीका अपनाएं जिससे इस कुरीति पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने इस दौरान सभागार में उपस्थित लोगों को बाल विवाह मुक्त राजस्थान की शपथ भी दिलाई।

आयुक्त बाल अधिकारिता विभाग बचनेश अग्रवाल ने कहा कि विश्व की आबादी की 40 प्रतिशत जनसंख्या 18 वर्ष से कम उम्र की है। यह उम्र सपनों में रंग भरने की होती है। इसी दौरान यदि बच्चों का बाल विवाह हो जाता है तो उनके सपने बेरंग हो जाते हैं। यह स्वयं उनके साथ समाज के विकास की गति में अवरोध का काम करता है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह रोकने के लिए समाज के माइंडसेट को बदलने की जरूरत है। इसके लिए हमें स्वयं को शुरुआत करनी होगी।

राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण के सदस्य सचिव अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि इस कुरीति के अंत के लिए समाज की सोच में बदलाव होना बेहद जरूरी है। हमें लड़के और लड़कियों में समानता की सोच रखनी होगी। बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक और शारीरिक विकास पर समान रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कार्यशाला में बाल विवाह से जुड़े कानूनों एवं उनके क्रियान्वयन पर जोर दिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव पल्लवी शर्मा ने बाल विवाह से जुड़े कानूनों के बारे में विस्तार और कानूनों के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया।

यूपीएससी में चयन होने पर सची शर्मा का सम्मान

जयपुर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज होनहार बेटी सची शर्मा अलवर का यूपीएससी में सफलता प्राप्त करने पर अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द ने बताया कि बेटी सची ने पूरे परिवार सहित पूरे समाज का नाम रोशन किया है संपूर्ण समाज आज सची पर गर्व महसूसकर रहा है यह जीत सिर्फ एक परीक्षा में उत्तीर्ण होने की कहानी नहीं, बल्कि उन संघर्षों, सपनों और अटूट विश्वास की कहानी है, जिसे सची ने अपने कठिन परिश्रम और बुलंद हौसले से साकार किया। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि मंज़िल चाहे जितनी भी कठिन क्यों न हो, अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। इस दौरान महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम शर्मा अलियाबाद, राष्ट्रीय सह महामंत्री बंशी बोहरा, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष गोपाल लाल, राष्ट्रीय युवा कार्यकारी अध्यक्ष सुनील टीलावाला, सांगानेर तहसील अध्यक्ष भगवान सहाय गोविंदपुरा, पार्षद रमेश प्रसाद, रतन सुखपरिया, रमेश नीदंड, रामनारायण आदि मौजूद रहे।

सार-समाचार

'भारत की कंपनियों का कारोबार बढ़ा रहा एआई'

जयपुर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज के समय में सिर्फ तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय कंपनियों के लिए एक गेम चेंजर बन चुका है। पहले जहाँ एआई को एक जटिल और सीमित टूल समझा जाता था, वहीं अब यह भारतीय व्यवसायों के हर हिस्से में इस्तेमाल हो रहा है, जिससे कारोबार में बेहतर बदलाव देखने को मिल रहे हैं। एसएपी इंडिया ने हाल ही में मुंबई में आयोजित एसएपी नाऊ एआई टूर में इस बात का खुलासा किया कि 2025 को एआई के शानदार परिणामों वाला साल माना जा रहा है। अब भारत की कंपनियाँ अपने व्यवसाय को स्मार्ट और प्रभावी बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल हर दिन कर रही हैं। चाहे वह फाइनेंस हो, सप्लाई चेन, मैन्युफैक्चरिंग या कस्टमर सर्विस, एआई ने हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। आज की तारीख में एआई सिर्फ डेटा प्रोसेसिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय कंपनियों के फैसले, रोज़मर्रा के काम और भविष्य की दिशा को निर्धारित करने में भी अहम् भूमिका निभा रहा है। एसएपी इंडियन सबकॉन्टिनेंट के प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर, मनीष प्रसाद ने कहा, "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज किसी भी बिज़नेस का हिस्सा बन चुका है। इससे कंपनियों को न सिर्फ अपने कामकाज को स्मार्ट बनाने में मदद मिलती है, बल्कि यह उन्हें भविष्य के लिए मजबूत और सक्षम भी बनाता है। हम अपने ग्राहकों को एआई के माध्यम से एक नई दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर रहे हैं, और यह बदलाव भारत में हो रहा है, जिससे इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा।"

पेटीएम मनी ने पे लेटर के लिए ब्याज दर घटाई

जयपुर। आज के समय में निवेशक स्मार्ट तरीकों से बाज़ार के अवसरों का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए ही उनकी रूचि मार्जिन-आधारित प्रोडक्ट्स में भी बढ़ रही है। निवेशकों की रुचि और जरुरत का ध्यान रखते हुए पेटीएम मनी ने अपने पे लेटर (एमटीएफ-मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी) ऑफर के अंतर्गत ब्याज दरों में कटौती और नई ब्रोकरेज संरचना की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य खुदरा और उच्च-मूल्य के निवेशकों के लिए ट्रेडिंग को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। इस घोषणा के बाद निवेशक 14.99 प्रतिशत की पुरानी स्थिर दर की जगह 9.75 फीसदी प्रतिवर्ष की न्यूनतम ब्याज दर पर एमटीएफ सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। नई स्लैब-बेस्ड ब्याज दर संरचना के तहत 25 लाख रुपए से अधिक की फंडिंग बुक साइज़ पर 9.75 प्रतिशत की दर लागू होगी, जबकि 1 लाख से 25 लाख रुपए तक की फंडिंग पर पहले जैसी 14.99 प्रतिशत की दर बनी रहेगी। इस घोषणा पर पेटीएम मनी के प्रवक्ता ने कहा, हम निवेशकों के लिए संपत्ति निर्माण को सरल और लोकतांत्रिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और यह कदम उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

दो जिंदा कारतूस सहित एक बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को धर-दबोचा है और उसके पास से दो जिंदा कारतूस जब्त किए गए है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत संधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहम्मद अबुजर निवासी रामगंज जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से दो जिंदा कारतूस जब्त किए गए है। पुलिस आरोपी से जिंदा कारतूस की खरीद-फरोख्त के बारे मे पूछताछ कर रही है।

जयपुर में पत्रकारों का राष्ट्रीय अधिवेशन 26 से

जयपुर। गुलाबी नगर जयपुर में 40 वर्ष के अंतराल पर एसोसिएशन ऑफ स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ़ इंडिया (असमनी) का 31 वां राष्ट्रीय अधिवेशन 26 एवं 27 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। असमनी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने बताया कि दो दिवसीय अधिवेशन का उद्घाटन सत्र शनिवार सुबह 10:00 बजे विधानसभा के कांस्टीट्यूशनल क्लब के सभागार में आयोजित किया गया है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे होंगे तथा राज्य विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी अध्यक्षता करेंगे। उद्घाटन समारोह को राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चंदोला, महामंत्री शंकर कतीरा एवं आयोजन समिति के संयोजक गोपाल शर्मा संबोधित करेंगे। असमनी का प्रथम अधिवेशन 1986 में जयपुर में आयोजित किया गया था। मणिपुर सहित 13 राज्यों से पत्रकार प्रतिनिधियों के भाग लेने की पुष्टि हो गई है। प्रदेश के मुख्य महासचिव डॉ. तरुण जैन के अनुसार इस अवसर पर पचास वर्ष की जनसमर्पित पत्रकारिता कर चुके पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा। राज्यों की पत्रकारिता इतिहास से जुड़ी स्मारिका एवं अनुराग शर्मा के काव्य संग्रह "गूंजता एकांत" का विमोचन होगा।

परिवहन निरीक्षक राजेश चौधरी बने उपाध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान सरकार के कर्मचारियों की सबसे बड़ी प्रतिनिधि संस्था अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने राजेश कुमार चौधरी को संगठन का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

चौधरी वर्तमान में राजस्थान परिवहन निरीक्षक संघ के अध्यक्ष हैं और राज्य परिवहन विभाग में एक सशक्त भूमिका निभा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति की घोषणा महासंघ के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ने की गई। उन्होंने बताया कि यह निर्णय संगठन के सभी वरिष्ठ सदस्यों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के बाद लिया गया और यह महासंघ को और अधिक मजबूत बनाएगा। महासंघ राज्य के सात लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान,अधिकारों की रक्षा और कल्याण के लिए कार्यरत है। नवनियुक्त उपाध्यक्ष राजेश कुमार चौधरी ने इस जिम्मेदारी के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह सभी कर्मचारियों की आवाज को मजबूती से उठाएंगे और उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कैब लूट के दो आरोपियों को पुलिस ने किया डिटेन

जयपुर। रामनगरिया थाना इलाके से कैब लूट के मामले में पुलिस को आखिरकार सफलता मिल गई है। जयपुर से दौसा ले जाकर लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने डिटेन कर लिया है, जिन्हें अब शिनाख्त परेड के बाद सामने लाया जाएगा। पुलिस आरोपियों से लूट की कार बरामदगी के प्रयास में लगी हुई है। शहर के दो थाना इलाके में वारदातों को अंजाम देने के लिए ये गैंग लूटे हुए मोबाइल से कैब बुक कर दौसा की ओर लेकर जाते थे, जहां पर कैब को लूट लेते थे। रामनगरिया थाना इलाके में लूट के बाद कैब चालक को रिंग रोड पर पटक कर चले गए थे,जबकि प्रताप नगर थाना इलाके में लूट में कैब को दौसा में ले जाकर लूटा था।

गौरतलब है कि बदमाशों ने 4 अप्रेल की रात को प्रताप नगर और 14 अप्रेल की रात को रामनगरिया थाना इलाके में कैब लूट की वारदात को अंजाम के दो मामले दर्ज हुए थे। रामनगरिया थाने में अलवर निवासी राहुल कुमार मीणा ने मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत में बताया कि 14 अप्रेल की रात लालसोट के लिए अक्षयपात्र चौराहे से बुकिंग ली थी। इस दौरान कार में 3 जने बैठे हुए थे।

पर्यटकों के लिए सुरक्षित वातावरण बने : दिया कुमारी

जयपुर। गुरुवार को शासन सचिवालय में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में पर्यटक सुरक्षा विषय पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें पर्यटन शासन सचिव रवि जैन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। बैठक मे पर्यटक सहायता बल के सुदृढ़ीकरण से सम्बंधित बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

उपमुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि राजस्थान में पर्यटक फ्रेंडली और सुरक्षित वातावरण निर्माण के लिए पुलिस पर्यटकों से संवेदनशील होकर व्यवहार करें, एवं सुरक्षा के मानदंडों का अनुसरण करें। इसके लिए पर्याप्त सीसीटीवी कैमरा, सुरक्षाकर्मी तैनात रहें। ऐतिहातन सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्यटन विभाग संबंधित विभागों से भी चर्चा करेगा। जिससे राजस्थान में आने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हो और वे ख़ुद को सुरक्षित महसूस करें।

उपमुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान पर्यटक सहायता बल की पर्यटक स्थलों पर तैनाती, उनके कार्यों, वर्तमान परिदृश्य में पर्यटकों के साथ होने वाले घटनाओं एवं उनकी समस्याओं को सुलझाने, पर्यटक स्थलों पर पहचान के साथ टिकिटिंग एवं प्रवेश द्वार पर विशेष चैंकिग के लिये मेटल डिटेक्टर लगवाने, राज्य के बाहर से आने वाले पर्यटकों को पुलिस द्वारा संवेदनशीलता से व्यवहार किये जाने जैसे बिन्दुओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

निगम ठेकेदार के कर्मचारी ने लगाया फांसी का फंदा

जयपुर। माणक चौक थाना इलाके में स्थित जयपुर नगर निगम हेरिटेज कार्यालय के मीटिंग हॉल में उस समय हड़कंप मच गया जब गुरुवार देर शाम को निगम के ठेकेदार के कर्मचारी ने पंखे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतार मोर्चरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार मृतक के पास से सुसाइड नोट भी मिला है,जिसमें किसी निगम अधिकारी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस के अनुसार निगम ठेकेदार के कर्मचारी का नाम हरदयाल है। जो जयपुर नगर निगम हेरिटेज कार्यालय में सुपरवाइजर का काम करता था।

दो युवकों से ठगे 9 लाख रुपए

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में संविदा पर नौकरी लगाने के नाम पर दो युवकों से नौ लाख रुपए से ज्यादा की ठगने का मामला सामने आया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल राधेश्याम कर रहे है। पुलिस के अनुसार सीकर निवासी दीनदयाल ने मामला दर्ज करवाया।

जेसीबी से सड़क खोदकर केबल चोरी कर रही गैंग

जयपुर। लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी की मदद से सड़क खोदकर बीएसएनएल की केबल चोरी करने वाली गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने गैंग के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

लाल कोठी थाना पुलिस ने जेसीबी की मदद से सड़क खोदकर बीएसएनएल की केबल चोरी करने वाली गैंग के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

- **सेंट्रल जेल के सामने 1.5 करोड़ की टेलीफोन केबल निकाली**
- **कंपनी के सुपरवाइजर समेत चार गिरफ्तार**

पुलिस ने इन बदमाशों के पास से एक जेसीबी मशीन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। बदमाशों से पुलिस ने करीब 1.5 करोड़ रुपए के तांबे की केबल बरामद किया है। इन शातिर बदमाशों की गैंग ने जेसीबी मशीन से सड़क खोदकर बीएसएनएल की भूमिगत टेलीफोन केबल ही उखाड़ ली। जिससे इलाके की संचार व्यवस्था को ठप कर दिया था। पकड़े गए बदमाशों में एक बदमाश जीसीसी कंपनी में सुपरवाइजर है। जीसीसी कंपनी ने सेंट्रल जेल के आसपास सीवर लाइन का ठेका ले रखा था। कंपनी का सुपरवाइजर मास्टरमाइंड आरोपी सीवर लाइन डालने के दौरान भूमिगत केबल चोरी कर रहा था। पुलिस ने बदमाशों से करीब 1.5 करोड़ रुपए के तांबे की केबल बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी की मदद से सड़क खोदकर बीएसएनएल की केबल चोरी करने वाले आरोपी बाबूलाल बैरवा (31) निवासी मूलत: रामपुरा कला राहुवास दौसा हाल सांभरिया रोड कानोता, रामस्वरूप बैरवा (38) निवासी पुरोहितों का बास काल पहाड़ी दौसा, मुकेश नायक (21) निवासी आसरलाई जैतारण पाली, रिंकू (38) निवासी दयानंद नगर झालाना डूंगरी गांधी नगर एवं नासिर खान (21) निवासी झंझार सीकरी डीग को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी (पुलिस उप निरीक्षक)बन्नालाल ने बताया कि 23 अप्रैल को राजेश सक्सेना (57) कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी बीएसएनएल ने मामला दर्ज करवाया था कि भारत संचार निगम लिमिटेड जयपुर के द्वारा सांगानेरी गेट दूरभाष केन्द्र से आगरा रोड घाटगेट और अजमेरी गेट एवं इसके आसपास के क्षेत्र में तांबे की भूमिगत केबल डाली हुई है। इससे इंटरनेट और अन्य सुविधाएं दी जाती हैं। 23 अप्रैल को घाटगेट से गोविंद मार्ग श्मशान चौराहा,जनता कॉलोनी और आदर्श नगर क्षेत्र की सभी टेलिफोन सेवा ठप हो गई है। मौके पर जाकर देखा तो पता चला कि सेंट्रल जेल के सामने से घाटगेट तक और घाटगेट से श्मशान घाट चौराहा तक जाने वाले केबल रूट पर गड्ढे किए हुए हैं। टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच की तो 800 पेयर की 3 केबल गायब मिली। इसकी अनुमानित लम्बाई 200 मीटर थी। 400 पेयर की 3 केबल लगभग 200 मीटर, 200 पेयर की 4 केबल लगभग 200 मीटर, 100 पेयर की 4 केबल लगभग 200 मीटर गायब मिली। चोरी की गई केबल की अनुमानित कीमत 1.5 करोड़ रुपए है। इस पर पुलिस ने टीम गठित की मौके पर लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इस पर पुलिस को लीड मिली। पुलिस ने बदमाशों को डिटेन कर उनके पास से एक जेसीबी और कुछ उपकरण जब्त किए। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।